केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450, 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आर्यत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 123 मंगलवार 26 नवम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

लेखपाल पद पर चयनित दिव्यांगों ने किया बीजेपी दफ्तर का घेराव

लखनऊ (आभा)। राजधानी लखनऊ में लेखपाल पद पर चयनित दिव्यांगों ने सोमवार को बीजेपी दफ्तर का घेराव किया। अभ्यर्थियों ने पार्टी दफ्तर के दो नंबर गेट पर खाट बिछाकर करीब पांच घंटे तक धरना दिया। अधिकारियों ने समझा बुझाकर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह से मुलाकात करवाई।

इसके बाद दिव्यांगों ने चेतावनी दी, नियुक्ति पत्र व अन्य मांगों पर अमल न होने की स्थिति में दिव्यांग दिवस को काला दिवस के रूप में मनाया जाएगा और जिला मुख्यालय पर अनिश्चित कालीन धरना दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश दिव्यांग महागठबंधन की अगुवाई में प्रदेश भर से करीब 350 दिव्यांग अभ्यर्थी सोमवार सुबह आठ बजे बीजेपी दफ्तर पहुंचे। अभ्यर्थियों की बढ़ती संख्या देख पार्टी दफ्तर व विधान सभा मार्ग पर अतिरिक्त पुलिस बल लगा दी गई।

यहां अभ्यर्थियों ने तीन से चार खाट बिछाकर अपना धरना शुरू किया। पहले बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात करने की बात कही। लंबे समय के बाद जब कोई जिम्मेदार नहीं आया तो अभ्यर्थियों ने मुख्य सचिव से मुलाकात कर अपनी मांग रखी।

महागठबंधन के अध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि दिव्यांग अभ्यर्थी पिछले 11 महीने से ईको गार्डन में धरना दे रहे हैं लेकिन, इनकी मांग पर किसी अधिकारी का ध्यान नहीं जा रहा है। सरकार और प्रशासन की ओर से जब मांग पर ध्यान नहीं गया तो बीजेपी कार्यालय के बाहर दिव्यांगों ने धरना शुरू किया।

दिव्यांगों ने मांग की, लेखपाल पद की नियुक्ति पत्र जल्द मिले। अलग–अलग विभागों में रिक्त पदों पर दिव्यांगों को नौकरी दी जाएगी। पेंशन की व्यवस्था बहाल हो और पांच हजार मासिक मिले। सरकारी नौकरी में दिव्यांग आरक्षण कोटा लागू की जाए। निशुल्क इलाज की व्यवस्था हो। दिव्यांग ट्राफिक वार्डनों को चौराहों पर तैनात किया जाएगा। दिव्यांग की रिपोर्ट पर जल्द कार्रवाई हो।

संभल के बाद प्रशासन सक्रिय

मुजफ्फनगर (आभा)। यूपी के संभल जिले में हुए बवाल के मामले में मुजफ्फनगर जिला की पुलिस भी अलर्ट मोड पर है। सोमवार को खालापार क्षेत्र में एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापति ने पुलिस के साथ पैदल मार्च किया। ड्रोन उड़ाकर आसपास क्षेत्र के घरों की छतों की निगरानी कराई। घरों की छतों पर पत्थर रखे दिखाई दिए। पुलिस ने सात घरों की छतों से ईंट, पत्थरों और अन्य निर्माण सामग्री को उतरवा दिया। खुफिया विभाग टीम ने भी गोपनीय रूप से कुछ क्षेत्रों की निगरानी शुरू की है।

एसएसपी अभिषेक सिंह ने जिला पुलिस को अलर्ट रहने के आदेश दिए थे। एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने सोमवार को सहायक पुलिस अधीक्षक व्योम बिंदल और पुलिस बल के साथ शहर के बाजारों, मुख्य चौराहों, संवेदनशील स्थानों और मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पैदल मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

महाराष्ट्र में कौन बनेगा मुख्यमंत्री को लेकर अटकलें तेज

मुम्बई (आभा)। फिलहाल महाराष्ट्र में सीएम पद को लेकर महायुति में चर्चाओं का दौर जारी है। गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में, भाजपा ने अपने महत्वपूर्ण चुनावी प्रदर्शन का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री पद पर मजबूत दावा पेश किया है।

भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने की रेस में सबसे आगे हैं। अगर ऐसा होता है तो वह तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। वहीं, एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक सूत्र ने पुष्टि की कि भाजपा और शिवसेना के बीच सत्ता–बंटवारे के फॉर्मूले को अंतिम रूप दे दिया गया है। फडणवीस पहले ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री के रूप में काम करेंगे, जिसके बाद एकनाथ शिंदे शेष कार्यकाल के लिए यह भूमिका निभाएंगे।

एक बार जब फडणवीस मुख्यमंत्री पद छोड़ देंगे, तो उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की उम्मीद है। रिपोर्ट बताती है कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, पीएम मोदी और बीजेपी के केंद्रीय

नेतृत्व के बीच चर्चा के बाद इस व्यवस्था पर सहमति बनी है। कहा जाता है कि फडणवीस को मुख्यमंत्री नियुक्त करने का निर्णय भाजपा और आरएसएस के बीच सहज समन्वय बनाए रखने की उनकी क्षमता से प्रभावित है। यदि उन्हें ढाई साल का कार्यकाल पूरा करने से पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की भूमिका दी जाती है, तो भाजपा महासचिव विनोद तावड़े या पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल जैसे नेता मुख्यमंत्री के रूप में कदम रख सकते हैं।

फिलहाल महाराष्ट्र में सीएम पद को लेकर महायुति में चर्चाओं का दौर जारी है। गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में, भाजपा ने अपने महत्वपूर्ण चुनावी प्रदर्शन का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री पद पर मजबूत दावा पेश किया है। पार्टी ने 2014 की अपनी संख्या को पार करते हुए 89: स्ट्राइक रेट हासिल किया, और जनादेश को नेतृत्व के लिए एक संकेत के रूप में देखती है। सूत्र बताते हैं कि भाजपा नेतृत्व देवेन्द्र फडणवीस का पक्षधर है, जिनकी शासन क्षमता और अनुभव गठबंधन को स्थिरता प्रदान कर सकते हैं।

पांच साल तक सत्ता से बाहर रहने और 2019 के राजनीतिक घटनाक्रम से झटके का सामना करने के बाद, भाजपा कार्यकर्ता हतोत्साहित हो गए थे। पार्टी के आधार को फिर से मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री का पद सुरक्षित करना महत्वपूर्ण माना जाता है।

चुनाव में महायुति सरकार का नेतृत्व करने वाले एकनाथ शिंदे इस जीत को अपने नेतृत्व के समर्थन के रूप में देखते हैं। शिंदे ने तर्क दिया है कि शिवसेना विधायकों पर अपनी पकड़ मजबूत करने और नीतिगत निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री का पद बरकरार रखना आवश्यक है। शिंदे ने खुद को एक मराठा नेता के रूप में भी स्थापित किया है, जो उस समुदाय से अपील करते हैं जो एक महत्वपूर्ण वोट बैंक है। मुख्यमंत्री का पद खोने से उनका अधिकार कमजोर हो सकता है और उनके नेतृत्व वाला शिवसेना गुट अस्थिर हो सकता है।

खींचतान के बीच अजित पवार बीजेपी के दावे के आश्चर्यजनक समर्थक बनकर उभरे हैं। कथित तौर पर उनका समर्थन गठबंधन के भीतर सहज समन्वय की इच्छा और देवेंद्र फडनवीस के साथ उनके व्यक्तिगत तालमेल से प्रेरित है। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के लिए पवार की प्राथमिकता को एकनाथ शिंदे के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने और गठबंधन में अधिक न्यायसंगत सत्ता–साझाकरण व्यवस्था सुनिश्चित करने की रणनीति के रूप में भी देखा जाता है।

संभल की घटना को लेकर कांग्रेस ने किया सांकेतिक उपवास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा में 5 युवकों की गोली लगने से हुई मौत को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' की अध्यक्षता में बीडीए परिसर में स्थित महात्मा गांधी की प्रति के समक्ष सांकेतिक उपवास रखा गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा संभल में मन्दिर के नाम पर जो कुछ हुआ वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हर मंदिर को मस्जिद कहना, हर जगह एक नया विवाद खड़ा करना देश व समाज के लिये घातक है, इसके दुष्परिणाम सभी समुदायों को भोगने होंगे।

उन्होने कहा अभी बहराइच का घाव भरा नही कि संभल को दंगे की आग में झोंक दिया गया। आनन फानन में याचिका, याचिका की मंजूरी और तत्काल सर्वे, ये सब एक साजिश का हिस्सा लगता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा उत्तर प्रदेश में जो नफरती माहौल और दंगों की पृष्ठभूमि तैयार हो रही है उसमे पूरा देश झुलसेगा, इसलिये इसका विकराल रूप सामने आने से पहले महामहिम राष्ट्रपति को ठोस पहल करनी होगी, वरना काफी देर हो जायेगी और यूपी दूसरा मणिपुर बन जायेगा। उन्होने संभल में हुई हिंसा प्रशासनिक मशीनरी के नाकामी की घोर निंदा की।

प्रवक्ता मो. रफीक खां ने कहा मस्जिदों को टारगेट किया जा रहा है। मौजूदा सरकार को न्यायिक व्यवस्था पर भरोसा नही है इसलिये पुलिस को आगे करके दंगों को अंजाम दिया जा रहा है। उपवास के दौरान जिपंस. अनिल कुमार भारती, रामभवन शुक्ल, डीएन शास्त्री, लक्ष्मी यादव, सुनील पाण्डे, दीपेन्द्र सिंह, शिवाकान्त तिवारी, शौकत अली नन्हू, डा. मारूफ अली, अनूप पाठक, शीतला शुक्ल, सद्दाम हुसेन, अशोक श्रीवास्तव, अलीम अख्तर, मो. अशरफ अली, उमाशंकर त्रिपाठी, सुधीर यादव, प्रशान्त पाठक, आशुतोष पाण्डेय, कमलाशंकर चौधरी, करीम अहमद, ओमप्रकाश पाण्डेय, अतीउल्लाह सिद्दीकी, अवधेश सिंह, रामधीरज चौधरी, अकरम अंसारी, आनंद निषाद, गिरजेश पाल, फिरोज खान, अशोक पाण्डेय, अनूप यादव, रविप्रताप चौधरी, दूधनाथ पटेल आदि मौजूद रहे।

धोखाधड़ी की शिकार महिलाओं को न्याय दिलाने की मांगः सरदार सेना ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल और सर्वेश चौधरी सियरापार के नेतृत्व में नेताओं और पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि समूह की महिलाओं को भ्रम में रखकर उनके नाम पर कर्ज लेकर डकार जाने वाले लोगों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाय और पीड़ित धोखाधड़ी की शिकार हुई महिलाओं को धन वापस कराया जाय।

ज्ञापन देने के बाद सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल ने बताया कि जनपद के अनेक क्षेत्रों में समूह की महिलाओं को उद्यमी बनाने का लालच देकर उनके नाम पर करोड़ो रूपये निकाल लिये गये और महिलाओं के घर अब बैंको से वसूली की नोटिस आ रही है। इससे समूह की महिलायें और उनके परिजन परेशान हैं।

सरदार सेना जिलाध्यक्ष विनय चौधरी और सर्वेश चौधरी सियरापार ने बताया कि वाल्टरगंज थाना क्षेत्र की गनेशपुर निवासिनी मीना पत्नी राकेश, राकेश पुत्र राम मूरत, अरविन्द पुत्र राधेश्याम, सोनी पत्नी अरविन्द आदि पहले समूह का ग्रुप बनाती थी। फैक्ट्री खोलने और उसमें साझेदार बनाने का झांसा देकर अनेक महिलाओं को जालसाजों ने बैंकों का कर्जदार बना दिया। महिलाओं को इसकी जनकारी तब हुई जब बैंकों से वसूली के लिये पत्र आने लगे और उन पर कर्ज जमा करने का दबाव बनाया जा रहा है। अनेक घरों में इसे लेकर पारिवारिक कलह का माहौल है। जालसाजी का शिकार हो चुकी परेशान महिलायें न्याय के लिये भटक रही है। मांग किया कि महिलाओं को न्याय दिलाया जाय। विभिन्न बैंकों बंधन बैंक, भारत बैंक, वंदना बैंक, मिड लैंड, कमल बैंक, एक्सिस बैंक, ग्रामीण कोटा, सामदूजा बैंक, उत्कर्ष बैंक, आई०डी०एफ०सी० बैंक, एच०डी०एफ०सी० बैंक, आर० बी० एल० बैंक, टाटा बैंक से लोन करवाकर रूपया हड़प लिया है। महिलायें परेशान हैं।

ज्ञापन सौंपने वालों में आकाश चौधरी, अभिषेक चौधरी, संदीप निषाद, ज्योति, मीरा, चन्द्रगुप्त मौर्य, अखिलेश प्रजापति, रागिनी देवी, सन्तोष चौधरी, ऊषा देवी, राजेश्वरी, शहजाद आलम, मनोज निषाद, प्रमोद यादव, मंजीत यादव आदि शामिल रहे।

अस्पताल खोलना सेवा के क्षेत्र में पुनीत कार्य– देवेन्द्र प्रताप सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती।सोमवार को कटेश्वर पार्क स्थित मुहल्ला जयपुरवा में जीवन दायिनी हॉस्पिटल का उद्घाटन एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह और संजय प्रताप जायसवाल ने फीता काटकर किया।

उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि अस्पताल खोलना पुनीत कार्य है। अस्पताल खुलने से आने वाले लोगों का उपचार भी होगा। अस्पताल एक आवश्यक स्वास्थ्य सेवा सुविधा है जो जरूरतमंद मरीजों को विशेष चिकित्सा देखभाल, नर्सिंग देखभाल और आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति प्रदान करती है । आमतौर पर एक आपातकालीन कक्ष से सुसज्जित होता है जो किसी भी प्रकार की चिकित्सा आपात स्थिति या दुर्घटना को संभाल सकता है।

विशिष्ठ अतिथि पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा कि अस्पताल मानवता की सेवा करते हैं और किसी भी समाज के सामाजिक कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रोगी को स्वस्थ बनाने के लिए विभिन्न बीमारियों से निपटने के लिए अस्पताल अपरिहार्य आवश्यकता है।

एमडी चन्द्रेश प्रताप सिंह और अस्पताल संचालक नजीर हुसैन ने अतिथियों का स्वागत करते हुये बताया कि जीवन दायिनी हॉस्पिटल का उद्देश्य मरीजों को न्यूनतम ६ नराशि में बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना है। मरीजों का स्वस्थ होना उनकी प्राथमिकता होगी। इसके लिये अस्पताल में आवश्यक सुविधायें उपलब्ध हैं।

उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से एमएलसी प्रतिनिधि हरीश सिंह,एमडी चन्द्रेश प्रताप सिंह,एम अंसारी, अजय कुमार, जफर, सुनील मिश्रा, अमन सिंह आदि शामिल रहे।

बूथ समिति के कार्यकर्ता भाजपा की रीढ़– जगदीश शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे देश में बूथ समितियों के गठन का कार्य लगातार जारी है। इसी क्रम में भाजपा साउँघाट मंडल के लखनौरा में बूथ संख्या 81 और 82 के बूथ समिति का गठन सोमवार को राकेश श्रीवास्तव की अगुवाई में किया गया। संगठनात्मक चर्चा के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश प्रसाद शुक्ल ने कहा कि हमारे बूथ समिति के कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ है। कार्यकर्ताओं के मेहनत का परिणाम है कि प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और यूपी उपचुनाव में पार्टी ने प्रचण्ड बहुमत से जीत हासिल किया। कहा कि भाजपा ने जनकल्याणकारी योजनाओं को सभी तक पहुंचाकर जनता का भरोसा जीता है। नवगठित समित के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी अपने कर्तव्यों का निष्ठा से निर्वहन करें।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से अनिल पाण्डेय, सूर्य मणि पाण्डेय, कामेंद्र चौहान, सूर्य प्रकाश उर्फ लल्लू शुक्ल, चन्द्र प्रकाश चौधरी, अर्जुन उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

जन अधिकार पार्टी के जिलाध्यक्ष को मारने पीटने का मामला गरमायाः ज्ञापन सौंपकर किया दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कन्या कुशवाहा ने सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव, सपा विधायक कविन्द्र चौधरी अतुल के साथ जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि दबंगों द्वारा जन अधिकार पार्टी के जिलाध्यक्ष राम आशीष मौर्या को मारने पीटने, धमकी देने वालों को गिरफ्तार किया जाय। चेतावनी दिया कि यदि गिरफ्तारी न हुई तो धरना प्रदर्शन कर आन्दोलन किया जायेगा। जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष बड़ी संख्या में विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग जमे रहे और मांग किया कि दोषी गिरफ्तार हो। यह मामला लगातार गरमाता जा रहा है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कन्या कुशवाहा ने ज्ञापन देने के बाद बताया कि पार्टी के जिलाध्यक्ष राम आशीष मौर्या को दुबौलिया थाना क्षेत्र के ओघड़वीर (भिऊरा) निवासी रणधीर सिंह राधू पुत्र विजय बहादुर सिंह, अभय सिंह पुत्र रणविजय सिंह ने बेमहरी के निकट बुरी तरह से मारा पीटा। जान से मार देने की नीयत से फायर किया। पुलिस ने न तो मेडिकल कराया न तत्काल मुकदमा ही दर्ज किया। लम्बे संघर्ष के बाद मुकदमा तो दर्ज हो गया किन्तु दोषियों की गिरफ्तारी नहीं की गई। नेताओं ने मांग किया कि दोषियों को तत्काल प्रभाव से गिरफ्तार कराया जाय।

ज्ञापन सौंपने वालों में जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष प्रहलाद मौर्या, सुनील मौर्य, चौधरी वृजेश पटेल, विनय चौधरी, का. चन्द्रभान, गिरजेश मौर्य, मुकेश चौधरी, अभिषेक मौर्य, चन्द्रगुप्त मौर्य, अखिलेश प्रजापति, विकास गौतम, अमरजीत कन्नौजिया, गिरजेश मौर्या, दीपक आर्या, डब्लू, सन्तोष मौर्य, राजबीर चौहान, प्रवीण, अभिषेक चौधरी, आकाश पटेल, शहजाद आलम, के साथ ही अनेक राजनीतिक दलों के लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस नेता महेन्द्र के पते पर कैसे दर्ज हो गई 5 डबल डेकर स्लीपर बसेंः डीएम को सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उ.प्र. कांग्रेस कमेटी आर.टी.आई. विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने सोमवार को जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि जबरिया उन्हें 5 डबल डेकर स्लीपर बस को उनके नाम व पते पर दर्ज करा दिया गया है । पिछले तीन वर्षो से लगातार शिकायत के बावजूद आर.टी.ओ. विभाग द्वारा दोषियों के विरूद्ध न तो कोई कार्रवाई की गई न असली वाहन स्वामी को प्रस्तुत किया गया। उन्होने ज्ञापन के द्वारा मांग किया कि समूचे मामले की जांच कराकर 5 डबल डेकर स्लीपर बसों से उनका नाम हटवाया जाय।

डीएम को दिये ज्ञापन में कहा गया है कि महेन्द्र श्रीवास्तव के नाम पता से फर्जी ढंग से षड्यन्त्र पूर्वक डबल डेकर स्लीपर बस संख्या क्रमशः यूपी 51 ए.टी.6641 7061, 7370,7160, और 7661 कुल 5 बसों का रजिस्ट्रेशन किया गया है। जबकि इनमें से वे किसी बस के मालिक नहीं है । महेन्द्र श्रीवास्तव ने सूचना के जरिए रजिस्ट्री और प्रकाशन समाचार पत्र में प्रकाशित कराया लेकिन शासन प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किया गया और आरटीआई से सूचना मागने पर कोई जबाब नहीं दिया जा रहा है। उनके प्रार्थना पत्र के कारण गाडी संख्या – यूपी51 एटी 7061 का आर.सी निरस्त कर दिया गया है। उक्त वाहन आर.टी ओ बस्ती में रजिस्ट्रर्ड है। उक्त वाहन गत 23 नवम्बर 2024 को रोड पर आर.टी.ओ. द्वारा पकड़ा गया और उसी दिन देर रात्रि में ए.आर.टी.ओ द्वारा बस मालिक से मिलकर छोड़ दिया गया। बार बार वाहन स्वामी होने से इंकार करने के बावजूद अभी तक उनका नाम आरसी से नहीं हटाया जा रहा है। इससे उनको काफी मानसिक पीडा हो रही है और लगातार विभाग द्वारा उनके घर पर नेटिस आ रही है । बस्ती एआरटीओ कार्यालय में लगभग पांच दर्जन डबल डेकर स्लीपर बस दर्ज है जिसके सभी वाहन स्वामी अलग अगल प्रान्त के है सभी गाडियों का विभाग द्वारा टूरिस्ट परमिट जारी किया गया है। जबकि सारी बसें ओवर लोड यात्री ढो रही है और मनमानी तरीके से किराया वसूल रहे है जिससे राजस्व का काफी क्षति हो रहा है।

कांग्रेस नेता ने मांग किया है कि समूचे मामले की जांच कराकर उनका नाम हटवाया जाय और दोषियों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध कडी कार्रवाई की जाय।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 26 नवम्बर 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

राजनीति के नये सन्दर्भ

पहली नजर में महाराष्ट्र व झारखंड के विधानसभा चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यह है कि राज्यों की जनता ने सत्तारूढ़ गठबंधनों में ही विश्वास जताया है। हालांकि, दोनों राज्यों के मुद्दे व राजनीतिक परिदृश्य एक दूसरे से भिन्न हैं, लेकिन महाराष्ट्र में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की अप्रत्याशित जीत ने सबको चौंकाया है। इतनी बड़ी कामयाबी की उम्मीद शायद भाजपा गठबंधन को भी नहीं रही होगी। वहीं दूसरी ओर भले ही झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने सत्ता बरकरार रखी हो, मगर महाराष्ट्र की महाविजय झारखंड के मुकाबले अधिक महत्वपूर्ण है, जिसके गहरे निहितार्थ हैं। ऐसा लगा कि भाजपा ने कुशल संगठन और रणनीति के बूते जीतने की आदत विकसित कर ली है। महाराष्ट्र में ऐसी शानदार जीत की कल्पना राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार व उद्धव ठाकरे के होते हुए शायद ही किसी ने की हो। दरअसल, छह माह से कम समय पहले महा विकास अघाड़ी, जिसमें कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना के उद्धव ठाकरे धड़े ने लोकसभा चुनाव में भाजपा व उसके सहयोगियों को पछाड़ दिया था। ऐसे में विधानसभा चुनाव में गठबंधन की उम्मीदें बढ़ गई थीं। लेकिन अति आत्मविश्वास और दलों में फूट के कारण गठबंधन ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। कांग्रेस भी हरियाणा में मिले झटके से कोई सबक नहीं सीख पायी। इसके विपरीत, महायुति ने मतदाताओं को लुभाने के लिये हर संभव प्रयास किया। खासकर महिला केंद्रित लाड़ली बहन योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं ने अद्भुत काम किया।

वैसे महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन को ध्रुवीकरण का भी खासा लाभ मिला। उनकी सफलता में इसके अलावा शिवसेना व राकांपा में विभाजन का लाभ भी भाजपा को मिला। लेकिन वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव परिणामों में गठबंधन द्वारा पूर्ण बहुमत मिलने के बाद जैसी अराजकता व अनिश्चितता पैदा हुई, उम्मीद की जानी चाहिए कि फिर वैसे हालात पैदा नहीं होंगे। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि विजयी गठबंधन सरकार का गठन सुचारु रूप से करे। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन के जो मुद्दे चले, वे झारखंड में निष्प्रभावी रहे। हेमंत सोरेन झारखंड की जनता को विश्वास दिलाने में कामयाब रहे कि वे आदिवासी हितैषी हैं। 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा तथा घुसपैठियों का मुद्दा झारखंड के लोगों को रास नहीं आया। कहीं न कहीं प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कथित भ्रष्टाचार के आरोप में हेमंत सोरेन के खिलाफ हुई कार्रवाई उनके लिये सहानुभूति जगाने की वजह बनी। वहीं महिलाओं के खातों में गई एकमुश्त रकम ने उन्हें बड़ा संबल दिया। महिला कल्याण केंद्रित योजनाओं के चलते महिला वोटर महाराष्ट्र और झारखंड में निर्णायक साबित हुए। लेकिन दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम कांग्रेस के लिये बड़ा झटका हैं। एक ओर जहां वह झारखंड में झामुमो के कनिष्ठ सहयोगी के रूप में सरकार का हिस्सा रहेगी, वहीं महाराष्ट्र में हुई हार ने उसे इंडिया गठबंधन में बड़ी भूमिका निभाने की स्थिति को कमजोर किया है। आशा है भविष्य की रणनीति बनाने में उसके लिये महाराष्ट्र के सबक मददगार साबित होंगे।

हरियाणा के बाद महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भी प्रचंड जीत से भाजपा का वह आत्मविश्वास लौट आएगा, जो लोकसभा चुनाव में अकेले दम बहुमत से वंचित रहने पर डगमगाता लग रहा था। दूसरी ओर हाथ आती सत्ता हरियाणा के बाद महाराष्ट्र में भी फिसल जाने के सदमे से उबर पाना विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के लिए आसान नहीं होगा।

इन चुनाव परिणामों का मनोवैज्ञानिक असर अगले साल होने वाले दिल्ली और बिहार के विधानसभा चुनावों पर भी पड़ेगा। बिहार में हुए चारों विधानसभा उप–चुनावों में राजग की जीत 'इंडिया' के लिए खतरे का ही संकेत है। पंजाब में 4 में से 3 विधानसभा उप–चुनाव जीत लेने को दिल्ली का सैमीफाइनल बता रहे 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल भी जानते हैं कि दिल्ली में सत्ता की जंग इस बार पिछली बार जितनी आसान नहीं होगी।

जलवायु संकट और विकसित देशों की जवाबदेही

–सुरेश सेठ–

ग्लोबल वार्मिंग के कारण उत्पन्न असाधारण परिस्थितियां गंभीर चुनौती बन चुकी हैं, जिसके समाधान हेतु वैश्विक स्तर पर चर्चा की आवश्यकता है। इस संदर्भ में, दुनियाभर के देश बाकू में आयोजित कॉप–29 सम्मेलन में एकत्रित हुए, जहां इन समस्याओं से निपटने के उपायों पर विचार किया गया। हालांकि, सम्मेलन के पहले सप्ताह के बाद भारत ने यह स्पष्ट किया कि यह समस्या विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए भारी संकट बन गई है, और इस दिशा में कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई है।

समस्या स्पष्ट है कि औद्योगिक विकास और आधुनिकीकरण के कारण उत्पन्न प्रदूषण यानी कार्बन व हरित गैसों का उत्सर्जन और ग्लोबल वार्मिंग के चलते पर्यावरण में भयंकर परिवर्तन हो रहे हैं। यह समस्या केवल ग्लोबल साउथ (विकासशील देश) के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। हालांकि, कुछ वैश्विक उत्तर (विकसित देश) के देश यह मानते हैं कि पर्यावरणीय संकट की जिम्मेदारी सिर्फ विकासशील देशों पर है, और उन्हें ही इसका समाधान करना चाहिए। निस्संदेह, यह गलत सोच है। अब इस समस्या को गंभीरता से स्वीकार करने और समाधान की दिशा में प्रयासों की आवश्यकता है।

भारत ने कार्बन और हरित गैसों के उत्सर्जन को निम्न स्तर पर लाने का संकल्प लिया है, लेकिन वित्तीय संसाधनों और तकनीकी मदद के अभाव में जलवायु परिवर्तन से निपटना बेहद कठिन हो रहा है। ग्लेशियरों का असमय पिघलना, बाढ़ और अनिश्चित मानसून के कारण कृषि संकट में पड़ गई है। कॉप–29 सम्मेलन से यह उम्मीद थी कि दुनिया के सभी प्रमुख देश मिलकर इस समस्या का समाधान ढूंढ़ेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सम्पन्न देशों के नेताओं ने सम्मेलन में भाग नहीं लिया, और न ही भारत सहित अन्य देशों ने मिलकर प्रभावी रणनीति बनाई। इसके बजाय, केवल एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप का दौर चलता रहा।

बाकू में कॉप–29 शिखर सम्मेलन किसी महत्वपूर्ण सफलता के बिना समाप्त हो गया, जहां विकसित और विकासशील देशों के बीच गहरे मतभेद सामने आए। इस समय जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता है, ताकि आर्थिक गतिविधियां सुचारु रहें और ग्लोबल वार्मिंग के खिलाफ न्यायसंगत कदम उठाए जा सकें। मांग हुई है कि संपन्न देशों को 1.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर अनुदान और रियायती वित्त सहायता के रूप में देना चाहिए, लेकिन वास्तविकता यह है कि अब तक जितना भी वित्त पोषण हुआ है, वह अधिकतर ऋण के रूप में विकासशील देशों को दिया गया है, जिससे उनकी राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता पर संकट उत्पन्न हो रहा है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के कारण विकासशील देशों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है।

भारत में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों ने मौसम के पैटर्न को अप्रत्याशित बना दिया है। किसानों के लिए मानसून अब अनिश्चित हो चुका है। इस स्थिति में कृषि की प्रगति नहीं, बल्कि उसका संकट बढ़ता जा रहा है। भारत और अन्य दक्षिणी देशों को जलवायु परिवर्तन के सबसे भयानक प्रभावों का सामना करना पड़ रहा है।

संपन्न देश यह तर्क देते हैं कि कार्बन उत्सर्जन और ग्लोबल वार्मिंग के मुख्य जिम्मेदार उभरते हुए विकासशील देश हैं, और इसलिए इन्हें ही इस संकट का सामना करना चाहिए। उनका कहना है कि उनका औद्योगिक विकास और प्रौद्योगिकी अब बदल चुकी है, और वे कृत्रिम मेधा और इंटरनेट का सर्वाधिक उपयोग कर रहे हैं, जिससे कार्बन उत्सर्जन कम हो गया है।

इस स्थिति में जलवायु परिवर्तन से निपटने की प्रक्रिया केवल भाषणों तक सीमित रह गई है, और असल कार्रवाई होती दिखाई नहीं देती। भारत ने विकसित देशों से निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि जब तक वे वित्तीय और प्रौद्योगिकी सहायता नहीं देते, तब तक यह प्रयास सार्थक नहीं हो पाएगा। भारत ने यह भी सवाल उठाया कि विकसित देशों के पास पर्याप्त संसाधन और क्षमता होने के बावजूद वे इस वैश्विक समस्या को गंभीरता से क्यों नहीं स्वीकारते।

भारत और अन्य विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन के भयावह प्रभावों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि इन देशों की अपनी क्षमताएं इस संकट से निपटने के लिए सीमित हैं। यह स्पष्ट है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान विकसित और विकासशील देशों को मिलकर ही करना होगा, क्योंकि इस संकट का असर अंततः सभी देशों की आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। भारत ने जी–77 देशों के सम्मेलन में भी संपन्न देशों से वित्तीय प्रतिबद्धताओं पर जवाबदेही की मांग की है। यह सवाल भी उठाया कि कार्बन उत्सर्जन के नियंत्रण की तिथियों को आगे बढ़ाने से क्या हासिल होगा, जब आर्थिक असंतुलन पहले ही सभी देशों के सामने आ चुका है।

लेखक साहित्यकार हैं।

संविधान और हमारा लोकतंत्र

–वेदव्यास–

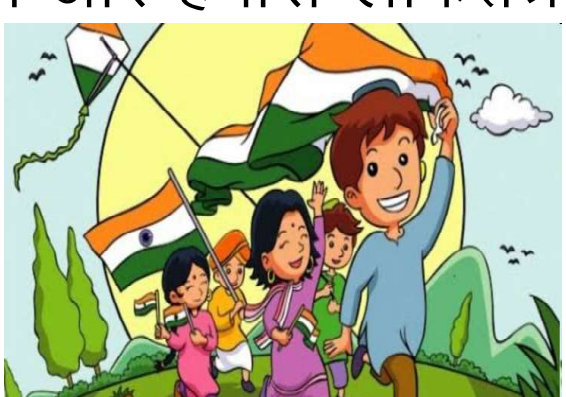

भारत का संविधान ही 140 करोड़ देशवासियों की आत्मा है और डॉ. भीमराव अंबेडकर ही इसकी प्रस्तावना के रचनाकार हैं। हम भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न समाजवादी, पंथ निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।' डॉ. भीमराव अंबेडकर को इस संविधान के आलोक में याद करते हुए जब हम भारत की खोज को पढ़ते हैं, तो लगता है कि वंदे मातरम् और जन गण मन' जैसी आराधना से बढ़कर कोई अन्य कविता इस धरती पर हो ही नहीं सकती। भारत का यह दिव्य सपना 26 नवंबर, 1949 से हमारे देश का मार्गदर्शक है।

दुनिया के सबसे बड़े लिखित संविधान में वर्णित जो मौलिक अधिकार (1) समानता का अधिकार (2) स्वतंत्रता का अधिकार (3) शोषण के विरुद्ध अधिकार (4) धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (5) संस्कृति तथा शिक्षा संबंधी अधिकार (6) संवैधानिक उपचारों का अधिकार आज हमें प्राप्त है, उसकी अनुपालना में ही विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका की संपूर्ण संरचना प्रेरित और उत्तरदायी है। इस विभाजीत राष्ट्र की अनेकताओं को एकता में बांधने का यह अमर तंत्र जब डॉ. अंबेडकर ने लिखा था, तब वह कोई दलित नहीं थे, अपितु एक भारतीय नागरिक थे। इसी तरह 1857 से लेकर 1947 तक भारत में जो आजादी की लड़ाई लड़ी गई, उसके सभी महानायक किसी जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र और वर्ग के सैनिक और सेनानी नहीं थे, अपितु भारत के उपासक थे। लेकिन, तब से लेकर अब तक इस देश के विकास और परिवर्तन का प्रवाह कुछ ऐसी विपरीत दिशा में धकेला जा रहा है कि हमने अपने सभी राष्ट्र निर्माताओं को जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्रीयता के हाशिए पर धकेल दिया है। जो भी भारत गणराज्य का अधिपति बनता है, वह एक भारतः श्रेष्ठ भारत और सबका साथ–सबका विकास की नई–नई बातें तो करता है, लेकिन असल में संविधान के विपरीत सत्ता और व्यवस्था का एक नया ताना–बाना भी बुनता है। यही कारण है कि नए भारत की पिछले 75 साल की कहानी समानता, स्वतंत्रता, शोषण के विरुद्ध, धार्मिक स्वतंत्रता, संस्कृति तथा शिक्षा संबंधी अधिकार और इसके संवैधानिक उपचारों के आसपास ही घूम रही है। हमने अंबेडकर को दलित नेता बना दिया है, तो ज्योतिबा फुले को मालियों का आराध्य, भगत सिंह को चरमपंथ का सिपाही, तो वल्लभ भाई पटेल को गुजरात का गौरव, तो सुभाषचंद्र बोस को बंगाल गरिमा, तो जवाहरलाल नेहरू को वंशवाद का जनक, तो विवेकानंद को कट्टर हिंदुत्व का प्रणेता, तो सुब्रह्मण्यम भारती को तमिल प्रतिष्ठा और न जाने किन–किन को अपनी–अपनी कैसी–कैसी जाति–धर्म की पहचान का प्रतीक बना दिया है।

इसी तरह हमने संपूर्ण मानवता के उपासकों की जगह राम–कृष्ण को हिंदुओं की, बुद्ध को बौद्धों की, हजरत मोहम्मद को मुसलमानों की, गुरु नानक को सिक्खों की, महावीर को जैनियों की तथा ईसा मसीह को ईसाइयों की चारदीवारी में ही कैद कर दिया है। यानी कि हमने नदी, पर्वत, हवा, प्रकाश, पृथ्वी तक को अपनी जाति–धर्म की पहचान में समेट लिया है तथा मां गंगा की जीवनदायी पवित्रता को भी हिंदू संस्कृति की मुख्यधारा तथा सूर्य और चंद्रमा को भी हिंदू संस्कृति के नमस्कार में बदल दिया है। आज भी हम जब महात्मा गांधी को किसी राजनीतिक पार्टी का विज्ञापन बना देते हैं और अंबेडकर को दलितों का मसीहा कहते रहते हैं, तो हम यह भूल जाते हैं कि इनका जीवन–दर्शन क्या था? हम एक कृतज्ञ राष्ट्र के रूप में भी कभी अंबेडकर के भारत के संविधान की बात क्यों नहीं करते और महात्मा गांधी की सत्य और अहिंसा को याद क्यों नहीं करते? यह सीमित समझ ही बताती है कि हम ऐसे सभी राष्ट्र निर्माताओं को एक व्यक्ति के रूप में जाति–धर्म के लिए उपयोगिता की सामग्री में बदल रहे हैं, जबकि गांधी और अंबेडकर एक विचार है तथा वह किसी संकीर्णता के हकदार नहीं हैं। महाराणा प्रताप और शिवाजी को किसी धर्म और जाति का नायक बनाना भी हमारी समझ की संकीर्णता है, क्योंकि यह सभी इतिहास पुरुष राजा और प्रजा की मर्यादा के आधार हैं।

इसलिए, हमें आज यह अवधारणा भी बदलनी होगी कि जाति और धर्म की पहचान से ही किसी देश की पहचान बनती है और विकास तथा परिवर्तन की योजनाएं चलाई जाती हैं। यदि भारत में दलितों को सामाजिक–आर्थिक समानता का अधिकार हम आज तक नहीं दे पाए हैं, तो यह डॉ. अंबेडकर और हमारे संविधान का अपमान है। इसी तरह भारत में असत्य और हिंसा का विस्तार भी महात्मा गांधी के सपनों की अवहेलना है। भारत का संविधान ही हमें वह ताकत देता है कि–आज भी हम एक हैं और आगे–पीछे वंदे मातरम् और जन गण मन ही गा रहे हैं तथा सभी प्रकार की शपथ अपने संविधान के अंतर्गत ही ले रहे हैं।

ऐसे में, भारत का जीवन धर्म और जीवन कर्म भारत का संविधान है। अतः अंबेडकर को जाति–धर्म की सीमाओं में बांधकर इन्हें छोटा मत बनाइए, क्योंकि प्रेरणा के प्रकाश का कोई जाति–धर्म नहीं होता। अतः समय की चेतावनी को समझते हुए डॉ. अंबेडकर ने कहा था कि 26 जनवरी 1950 को हम एक विरोधाभास की जिंदगी में प्रवेश करने जा रहे हैं। हमारी राजनीति में समानता होगी और हमारे सामाजिक व आर्थिक जीवन में असमानता। राजनीति में हम एक वोट और हर वोट का समान मूल्य पर चल रहे होंगे। परंतु अपने सामाजिक एवं आर्थिक जीवन में हमारे सामाजिक एवं आर्थिक ढांचे के कारण हर व्यक्ति एक मूल्य के सिद्धांत को नकार रहे होंगे। इस विरोधाभास के जीवन को हम कब तक जीते रहेंगे? कब तक हम अपने सामाजिक और आर्थिक जीवन में समानता को नकारते रहेंगे? यदि हम इसे नकारना जारी रखते हैं तो हम केवल अपने राजनीति प्रजातंत्र को संकट में डाल रहे होंगे। हमें जितनी जल्दी हो सके, इस विरोधाभास को समाप्त करना होगा, अन्यथा जो लोग इस असमानता से पीड़ित हैं, वे उस राजनीतिक प्रजातंत्र को उखाड़ फेकेंगे जिसे हम सभी ने परिश्रम से खड़ा किया है।(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार हैं)

ऐसे में, भारत का जीवन धर्म और जीवन कर्म भारत का संविधान ही है। अतः अंबेडकर को जाति–धर्म की सीमाओं में बांधकर इन्हें छोटा मत बनाइए, क्योंकि प्रेरणा के प्रकाश का कोई जाति–धर्म नहीं होता। अतः समय की चेतावनी को समझते हुए डॉ. अंबेडकर ने कहा था कि 26 जनवरी 1950 को हम एक विरोधाभास की जिंदगी में प्रवेश करने जा रहे हैं। हमारी राजनीति में समानता होगी और हमारे सामाजिक व आर्थिक जीवन में असमानता। राजनीति में हम एक वोट और हर वोट का समान मूल्य पर चल रहे होंगे। परंतु अपने सामाजिक एवं आर्थिक जीवन में हमारे सामाजिक एवं आर्थिक ढांचे के कारण हर व्यक्ति एक मूल्य के सिद्धांत को नकार रहे होंगे। इस विरोधाभास के जीवन को हम कब तक जीते रहेंगे? कब तक हम अपने सामाजिक और आर्थिक जीवन में समानता को नकारते रहेंगे? यदि हम इसे नकारना जारी रखते हैं तो हम केवल अपने राजनीति प्रजातंत्र को संकट में डाल रहे होंगे। हमें जितनी जल्दी हो सके, इस विरोधाभास को समाप्त करना होगा, अन्यथा जो लोग इस असमानता से पीड़ित हैं, वे उस राजनीतिक प्रजातंत्र को उखाड़ फेकेंगे जिसे हम सभी ने परिश्रम से खड़ा किया है।

प्रदूषण पर मूकदर्शक बना तंत्र

–कल्याणी शंकर–

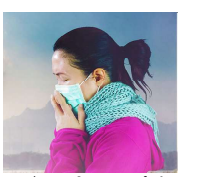

अमरीका में एक महीने की छुट्टी से लौटते हुए, मैं इस सप्ताह आधी रात के बाद दिल्ली पहुंची, तो मुझे प्रदूषण संकट की गंभीरता का एहसास हुआ। काले आसमान, धूल की चादर, गर्मी और सांस लेने में कठिनाई ने मेरा स्वागत किया और मुझे कार्रवाई करने के लिए प्रेरित किया। इस सप्ताह दिल्ली में प्रदूषण का स्तर अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। नई दिल्ली खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है, जिसके कारण राज्य के अधिकारियों को आवाजाही सीमित करनी पड़ी है और विषाक्त पदार्थों को साफ करने के लिए कृत्रिम बारिश को प्रोत्साहित करने की योजना को फिर से शुरू करना पड़ा है। इससे शहर को घने भूरे रंग के धुएं में ढंकने के कारण स्कूलों और कार्यालयों को बंद करने के लिए मजबूर किया और तत्काल कार्रवाई की मांग की।

बच्चों और वयस्कों में श्वसन संबंधी बीमारियों की संख्या बढ़ रही है, साथ ही अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी। उत्तर में ठंडी सर्दियों में, हर साल धुआं पूरे क्षेत्र को ढक लेता है और आग, निर्माण और कारखानों से निकलने वाले हानिकारक प्रदूषकों को फंसा लेता है। यह समस्या तब और बढ़ जाती है जब किसान नई फसल की तैयारी के लिए चावल की कटाई के बाद अपने खेतों में पराली को आग लगा देते हैं। हर साल यही या इससे भी बदतर स्थिति सामने आती है, जो समय के साथ खतरनाक स्तर तक पहुंच जाती है। नागरिक गंभीर प्रदूषण के सामने खुद को असहाय महसूस करते हैं, जबकि राजनेता दोषारोपण के खेल में लगे रहते हैं।

नतीजतन, जनता खराब वायु गुणवत्ता को झेलती है, जो उनके स्वास्थ्य को गंभीर रूप से खतरे में डालती है। अमीर लोग अक्सर सर्दियों के दौरान गर्म जगहों पर चले जाते हैं, लेकिन बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। कई स्कूल बंद हो गए हैं और निवासियों को घर के अंदर रहने की सलाह दी गई है। निर्माण कार्य रोक दिया गया है और सरकार प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ऑड–ईवन वाहन उपयोग नीति लागू करने पर विचार कर रही है। हालांकि यह सही दिशा में एक कदम है, लेकिन अधिक व्यापक उपाय आवश्यक हैं। संकट की गंभीरता को प्रभावी समाधानों की आवश्यकता है और इसमें और देरी बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य निगरानी एजेंसियों के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (ए.क्यू.आई.) 1,200 से 1,500 के बीच है। भारत का ए.क्यू.आई. 200 से अधिक होने पर खराब, 300 से अधिक होने पर बहुत खराब और 400 से अधिक होने पर गंभीर या खतरनाक श्रेणी में आता है। अनुशंसित ए.क्यू.आई. सीमा 0 से 100 के बीच है। यह भयावह स्थिति अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों और प्रवासी भारतीयों को अपनी वार्षिक यात्राओं की योजना बनाने से हतोत्साहित करती है।

इस स्थिति का कारण क्या है? रू सरकार और राजनेता समस्या के मूल कारण से अच्छी तरह वाकिफ हैं, लेकिन दोषारोपण का खेल खेलते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को प्रदूषण से निपटने का आदेश दिया है। अतीत में, इसने दिल्ली में वायु गुणवत्ता में सुधार के प्रयासों का नेतृत्व भी किया है। पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि स्वच्छ हवा एक मौलिक मानव अधिकार है। मैंने केंद्र सरकार और राज्य अधिकारियों दोनों को तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया। हालांकि, वाहनों पर प्रतिबंध, औद्योगिक विनियमन और जन जागरूकता अभियान जैसे अधिकांश उपाय, खराब होती वायु गुणवत्ता को रोकने में अधिक प्रभावी होने चाहिएं। आलोचक सवाल करते हैं कि अदालत के फैसले कितने प्रभावी हैं और न्यायपालिका पर कार्यकारी मामलों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हैं। अपने 2024 के घोषणापत्र में, दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने पिछले लोगों के विपरीत प्रदूषण को कम करने के वादे शामिल नहीं किए। इसकी बजाय, घोषणापत्र ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एन.सी.ए.पी.) और प्रदूषण को कम करने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया।

'आप' ने नागरिकों की भागीदारी की आवश्यकता और प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए इलेक्ट्रिक बसों का उपयोग करने की योजना पर प्रकाश डाला। अब जब यह प्रदूषण एक खतरनाक चरण में पहुंच गया है, तो केंद्र और राज्य सरकारों को पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के संबंध में एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, जो असली दोषी हैं। हर सध्दयों में, पराली की आग से निकलने वाला धुआं दिल्ली को घेर लेता है और दिल्ली के आसमान को ढक लेता है। राज्य सरकारें मांग करती हैं कि केंद्र किसानों को धुआं उत्सर्जन कम करने में सहायता के लिए धन मुहैया कराए, लेकिन यह समस्या हर साल बनी रहती है। इस बीच, राजनीति भी अपनी भूमिका निभाती है।

केंद्र में भाजपा की जबकि दिल्ली और पंजाब में 'आप' की सरकार है। कांग्रेस मूकदर्शक बनी हुई है। यह रवैया प्रभावी योजना को लागू करने में मदद नहीं करता।

नसीम सोलंकी ने जेल में पति से की मुलाकात जीत की मुबारकबाद दे रो पड़े इरफान

संवाददाता—महराजगंज। यूपी उपचुनाव में कानपुर की सीसामऊ सीट से जीतीं समाजवादी पार्टी की नवनिर्वाचित विधायक नसीम सोलंकी ने सोमवार को अपनी बेटी के साथ महाराजगंज जेल में बंद अपने पति इरफान सोलंकी से मुलाकात की। मुलाकात के वक्त पत्नी को जीत की मुबारकबाद देते हुए इरफान सोलंकी रो पड़े। मुलाकात के बाद जेल के बाहर मीडिया से बात करते हुए नसीम सोलंकी ने कहा कि लम्बे समय बाद आज मुलाकात हुई तो वह काफी भावुक हो गए थे। वह और बेटी भी मुलाकात के दौरान रो पड़ीं। नसीम के साथ सपा विधायक अमिताभ वाजपेयीऔर मोहम्मद हसन रोमी भी मौजूद थे।

नसीम सोलंकी और दोनों विधायकों की इरफान सोलंकी से मुलाकात के मद्देनजर जेल प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। नसीम सोलंकी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि हम लोग पिछले दो साल से झेल रहे हैं। मुलाकात हुई तो हम सब बहुत भावुक हो गए थे। बिटिया भी रो रही है। उन्होंने कहा कि सीसामऊ के चुनाव में मुझे हर किसी का सहयोग मिला। पार्टी के लोगों ने मेरा बहुत सहयोग किया।

नसीम की जीत की खुशी का इजहार करते हुए विधायक अमिताभ वाजपेयी ने कहा कि हमें प्रसन्नता इस बात की है कि जनता ने जब्बरिया सीसामऊ की सीट खाली कराने वालों को माकूल जवाब दे दिया है। सरकार ने यह सीट जबरिया खाली कराई थी। कानपुर के लोगों ने बखूबी बता दिया है कि लोकतंत्र में अहंकार का कोई स्थान नहीं है। चुनाव के दौरान वोटरों को रोकने के लिए सरकार ने क्या—क्या नहीं किया। सारी मशीनरी का दुरुपयोग किया, मंत्रियों की फौज लगा दी फिर भी कानपुर वहीं खड़ा है जहां उसे होना था।

विधायक मोहम्मद हसन रोमी ने कहा कि जनता ने हमें न्याय दे दिया है। अब हमें अदालत से भी न्याय मिलने का इंतजार है। उन्होंने बताया कि जेल में मुलाकात के दौरान इरफान सोलंकी ने अपने क्षेत्र की जनता का धन्यवाद दिया है। कहा कि सीसामऊ की जनता के सुख—दुख में शरीक होने और उनके काम कराने में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। जेल में इरफान सोलंकी से परिवार और अन्य लोगों की करीब आधे घंटे तक मुलाकात हुई है।

जर्नलिस्ट प्रेस क्लब की कार्यकारिणी ने ली पद व गोपनीयता की शपथ

संवाददाता—महराजगंज। जर्नलिस्ट प्रेस क्लब महराजगंज की नवनिर्वाचित जिला कार्यकारिणी को सीडीओ अनुराज जैन ने पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। कहा कि कलम की ताकत हथियार से बड़ी होती है। पत्रकारों से निष्पक्षता और ईमानदारी के साथ समाज की सच्चाई को उजागर करने का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार सिंह ने पत्रकारिता के बदलते परिदृश्य पर चर्चा करते हुए कहा कि आज के समय में पत्रकारिता समाज को सचिव करने और भ्रष्टाचार को उजागर करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने पत्रकारों से सकारात्मक और संतुलित समाचार प्रस्तुत करने की अपील की। जिला सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी ने भी पत्रकारिता की चुनौतियों और उसके प्रभाव पर प्रकाश डाला। इस दौरान संरक्षक सुनील कुमार श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव, संरक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी, संजय पांडेय, जयप्रकाश सिंह, शैलेष पांडेय, दीपक शरण श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश मद्धेशिया, अनिल वर्मा, सुधेश मोहन श्रीवास्तव, विपिन श्रीवास्तव, महामंत्री विनय नायक, उपाध्यक्ष सुशील शुक्ल, आफताब आलम खां, सुनील यादव, विनोद गुप्ता, अविमुक्त पांडेय, नवीन मिश्रा, अर्जुन कुमार मौर्य, शमसुल हुदा खान, आकाश तिवारी, नागेंद्र, विश्वामित्र मिश्रा, सत्येंद्र मणि त्रिपाठी, राजकेश्वर पांडेय, सत्य प्रकाश तिवारी, विपिन कुमार सिंह, अमृत जायसवाल, अभिषेक श्रीवास्तव आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जन आरोग्य मेले की सच्चाई ने उड़ाए होश, डॉक्टर व फार्मासिस्ट नदारद, सुरक्षा गार्ड ने बांटी दवाएं

संवाददाता—गोण्डा। मरीजों को स्थानीय स्तर पर विशेषज्ञ से उपचार, जांच व दवाओं की सुविधा मुहैया कराने के लिए मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला आयोजित किया जाता है। गोंडा जिले में यह आरोग्य मेला महज खानापूर्ति तक सीमित रहते दिखा रहा है। सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल आरोग्य मेले में डॉक्टर व फार्मासिस्ट नहीं, बल्कि सुरक्षा गार्ड लाल—पीली गोली बांटकर मरीजों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। रविवार को गोंडा के 52 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मेले के आयोजन का दावा किया गया। लेकिन, जमीनी हकीकत दावे से इतर निकली। सीएचसी काजीदेवर क्षेत्र के पीएचसी पंतनगर में अव्यवस्थाएं नजर आईं। आशा बहू बिंदू शुक्ला, ऊषा यादव व किरण शुक्ला बाहर बैठी धूप सेक रही थीं। दवा वितरण काउंटर पर गार्ड बरकत अली बैठे थे। उन्होंने बताया कि सर्दी, जुकाम व बुखार के मरीजों को दवा दे दी है। मेले में एलटी नेहा व वार्ड सहायक उपमा यादव मौजूद रहीं। गार्ड ने बताया कि डॉक्टर पाटला पांडेय व फार्मासिस्ट दीपेश वर्मा थोड़ी देर में आएंगे। वहीं सीएचसी छपिया के मसकनवा पीएचसी पर विशेषज्ञ नहीं बल्कि आयुष चिकित्सक ने एलोपैथ उपचार कर मेले की खानापूर्ति कर दी। दोपहर तक 20 मरीज उपचार कराने पहुंचे। इनमें सर्दी, जुकाम, बुखार व पेट दर्द से संबंधित रोगी थे। इस दौरान आयुष चिकित्सक डॉ. पवन पटवा, एलए छांगुर प्रसाद व बार्ड बॉय अनूप कुमार मौजूद रहे।

इटियाथोक के पीएचसी तकिया मनोहर में किसी एमबीबीएस या विशेषज्ञ चिकित्सक की ड्यूटी नहीं लगाई गई। यहां राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत आयुष चिकित्सक डॉ. दुर्गविजय ने 30 मरीजों का उपचार किया। इसमें सर्दी—जुकाम व बुखार के मरीज रहे। यहां स्टाफ नर्स रागिनी तिवारी व फार्मासिस्ट प्रदीप राव मौजूद रहे।

सीएमओ डॉ. रश्मि वर्मा फील्ड में नजर आईं। उन्होंने बालपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र समेत कई स्थानों पर आयोजित आरोग्य मेले का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं परखी। जिन स्थानों पर लापरवाही की सूचना मिली, उन चिकित्सकों को नोटिस भेजकर जवाब तलब किया है।

सवर्ण आर्मी की ब्लाक स्तरीय बैठक

संवाददाता—श्रावस्ती। सवर्ण आर्मी की ब्लॉक स्तरीय बैठक सोमवार को इकौना ब्लाक अध्यक्ष अनिल कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में इकौना में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष नीतीश तिवारी, प्रदेश ईटीसेल सह प्रभारी धर्मेंद्र मिश्रा, जिला महासचिव राजू सिंह आदि शामिल हुए। इस दौरान संगठन के विस्तार पर चर्चा की गई। सवर्ण आर्मी जिलाध्यक्ष श्रावस्ती मोहित मिश्रा ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए सभी सवर्ण समाज के लोग अपनी सहभागिता दर्ज कराएं। अपने समाज और संगठन के ऊपर कोई आंच नहीं आने देंगे और अपने समाज का उत्पीड़न नहीं होने देंगे। इस मौके पर जिला सचिव महेन्द्र अवस्थी, शिव पूजन पाण्डेय, अमन शुक्ला, पवन सिंह, जितेंद्र तिवारी आदि मौजूद रहे।

साहब बेटी जन्मी तो ससुरालीजन ने घर से निकाल दिया, पति ले आया सौतन बात सुन पुलिस भी रह गई सन्न

संवाददाता—गोण्डा। रिजर्व पुलिस लाइन में रविवार को आयोजित परिवार परामर्श केंद्र में एक विवाहिता की बात सुनकर परामर्शदाताओं को यकीन नहीं हुआ तो वह पति के दूसरी शादी करने की बात पूछते रहे। इसके बाद फिर बगल में बैठे पति से बेटी के जन्म होने पर दूसरी शादी करने की बात सुनकर सभी दंग रह गए। परामर्शदाताओं ने कहा कि पहली पत्नी के होते हुए दूसरी शादी करना अवैध है। विवाहिता को कोर्ट जाने की सलाह दी। विवाहिता ने बताया कि दोनों की शादी 11 मई 2017 को हुई थी, लेकिन बेटी को जन्म देने के बाद पति व ससुर ने उसे घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद मैरमपुर गांव में एक महिला से शादी कर ली। वह पिता के घर रहकर बेटी का भरण—पोषण कर रही है। हालांकि इस दौरान कई जोड़े एक साथ रहने के लिए भी राजी हुए। उन्हें सुखी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। परामर्शदाताओं ने बताया कि तीन जोड़े एक साथ रहने के लिए राजी हुए हैं।

पीएम किसान सम्मान निधि पाने वाले किसानों का होगा फार्मर पंजीकरण

संवाददाता— बलरामपुर। पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ ले रहे किसानों को फार्मर रजिस्ट्री कराना होगा। 31 दिसंबर तक फार्मर रजिस्ट्री न कराने वाले किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ नए वर्ष से नहीं मिलेगा। पीएम किसान सम्मान निधि में हो रही धांधली को रोकने के लिए शासन ने 31 दिसंबर तक हर हाल में फार्मर रजिस्ट्री कराने का निर्देश दिया है। जिले में दो लाख 54 हजार किसान पीएम सम्मान निधि का लाभ ले रहे हैं। कृषि विभाग ने किसानों की फार्मर रजिस्ट्री कराने की तैयारियां शुरू कर दी है।

कृषि विभाग के मुताबिक जिले में इस समय तीन लाख किसानों के सापेक्ष दो लाख 54 हजार किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने के लिए कृषि विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जनपद के सभी राजस्व गांवों में फार्मर रजिस्ट्री कराने के लिए 25 नवंबर से 31 दिसंबर तक का रोस्टर निर्धारित किया गया है। रोस्टर के मुताबिक कृषि, राजस्व, उद्यान, गन्ना, पंचायती राज, जिला विकास, एनआरएलएम विभाग के क्षेत्रीय कार्मिकों की ओर से राजस्व गांवों में कैम्प का आयोजन किया जाएगा। कृषि विभाग ने किसानों से अपील किया है कि वे अपने राजस्व ग्राम स्तर पर आयोजित होने वाले कैम्प में अपना आधार कार्ड एवं आधार से लिंक मोबाइल के साथ पहुंचकर अपना फार्मर रजिस्ट्री जनरेट करा लें। किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने के लिए राजस्व विभाग के भूलेख डाटावेस को समेकित किया जाएगा। इसमें समान नाम व पिता के नाम वाले किसानों का डाटा ऑनलाइन भेजा जाएगा। प्रदेश स्तर पर इस डाटा का प्रयोग कर फार्मर रजिस्ट्री तैयार की जाएगी। फार्मर रजिस्ट्री में किसान एवं उसके पिता का नाम, स्वामित्व वाले गाटा संख्या, सहखातेदार होने की स्थिति में गाटे में किसान का अंश, मोबाइल नम्बर, आधार संख्या एवं ई—केवाईसी विवरण आदि दर्ज किया जाएगा।

एक निरीक्षक व 29 दरोगाओं का स्थानांतरण हुआ

संवाददाता—गोण्डा। एसपी विनीत जायसवाल ने रविवार की देर रात एक निरीक्षक समेत 27 उप निरीक्षक को एक स्थान से दूसरे स्थान पर तैनाती दी है। वही कोतवाली नगर के न्यायालय चौकी प्रभारी अरुण कुमार को लाइन हाजिर कर दिया है। इंस्पेक्टर संजय कुमार गुप्ता को पुलिस लाइन से जन शिकायत प्रकोष्ठ का प्रभारी बनाया गया है। कोतवाली नगर से डिग्री प्रसाद गौतम को रोडवेज का चौकी प्रभारी, उपनिरीक्षक राजेंद्र कनोजिया को चौकी प्रभारी रोडवेज से इटियाथोक थाना, उप निरीक्षक अंगद कुमार को गुरु नानक चौकी से थाना छपिया के हथियागढ़ का चौकी प्रभारी बनाया गया है। कोतवाली नगर के न्यायालय चौकी प्रभारी रहे अरुण कुमार को लाइन हाजिर कर दिया गया है। उप निरीक्षक अवनीश शुक्ला को इटियाथोक से चौकी प्रभारी गुरु नानक, उप निरीक्षक साहब कुमार को तिवारी बाजार चौकी से कोतवाली नगर, उपनिरीक्षक आलोक कुमार राय को पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी तिवारी बाजार, उप निरीक्षक सुरेश कुमार को थाना छपिया की

चौकी हथियागढ़ से चौकी प्रभारी कस्बा मनिकापुर, उपनिरीक्षक रामकेश चौधरी को खोड़ारे से नगर कोतवाली के न्यायालय चौकी का प्रभारी, उमेश सिंह को कस्बा मनकापुर चौकी से मनकापुर थाना, उप निरीक्षक विजय प्रकाश को चौकी प्रभारी ढेमवा से उमरी बेगमगंज, मयंक वर्मा को पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी ढेमवा घाट, उप निरीक्षक राकेश भारती को थाना वजीरगंज से क्षेत्राधिकारी कार्यालय मनकापुर, त्रिपुरी प्रसाद शर्मा को खोडारे वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना खोड़ारे, उपनिरीक्षक अनिरुद्ध प्रसाद को थाना खोड़ारे से खरगूपुर, उप निरीक्षक बब्बन सिंह को करनैलगंज से खरगूपुर, उपनिरीक्षक मनोज कुमार सिंह को खरगूपुर से कोतवाली देहात, संजय कुमार सिंह को पुलिस लाइन से थाना मनकापुर, राम विनय राय को पुलिस लाइन से मनकापुर छोटेलाल को पुलिस लाइन से मनकापुर, शंकर कुमार को पुलिस लाइन से थाना खोड़ारे, उपनिरीक्षक रामकृपाल यादव को पुलिस लाइन से थाना धानेपुर, मोहम्मद रियाज खान को पुलिस लाइन से नवाबगंज, उपनिरीक्षक अभय नारायण यादव को पुलिस लाइन से खरगूपुर, उप निरीक्षक कपिल देव को पुलिस लाइन से इटिया थोक, उप निरीक्षक बैरिस्टर सिंह को पुलिस लाइन से मोतीगंज भेजा गया है।

संस्थान की बैठक में कार्यकर्ताओं को किया गया सम्मानित

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या में दशकों से सामाजिक क्षेत्र में लोगों की सेवा करने वाली संस्था श्री सेवा संस्थान निरंतर अपना दायरा बढ़ती जा रही है और संस्था से जुड़कर सैकड़ो लोग सेव करके अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। संस्थान पिछले कई वर्षों से अयोध्या में होने वाली परिक्रमा में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सबसे आवश्यक आवश्यकता दवा मरहम पट्टी की व्यवस्था करती आ रही है और जब मई, जून की तपती धूप होती है और जब अयोध्या में आने वाले श्रद्धालु पानी की तलाश करते हैं ऐसे में श्रद्धालुओं के प्यास को बुझाने का कार्य श्री सेवा संस्थान करती जा रही है। रविवार 24 नवंबर को संस्थान से जड़कर सेवा करने वाले संस्थान के कार्यकर्ताओं को संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष आशुतोषानंद त्रिपाठी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय कार्यालय पर सम्मीक्षा बैठक में सभी का सम्मान करके आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष आशुतोषानंद त्रिपाठी ने कहा कि संस्थान के प्रत्येक कार्यकर्ता की लगन से ही हर कार्य संभव होता है और सम्मान से कार्य करने की

क्षमता बढ़ती है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संस्थान अपने कार्य क्षेत्र में और विस्तार करेगी इसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को तन, मन, धन तीनों से तैयार होना होगा। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महंत अवधेश दास ने कहा कि संस्था के विकास के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को वार्षिक सदस्यता शुल्क के साथ सहयोग राशि भी जमा करना होगा जिस संस्थान सामाजिक क्षेत्र में संस्थान अपने भागेदारी को बढ़ा सकें। आचार्य रणंजय शास्त्री ने कहा कि अयोध्या की वर्तमान स्थिति को देखते हुए संस्था को कार्य क्षेत्र में विस्तार करना होगा जिसमें प्रत्येक माह बैठक हो और सभी सदस्य उपस्थित होकर के अपने विचार दें। बैठक का संचालन संस्थान के महासचिव ओंकार नाथ पांडेय ने किया और साथ ही आये हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संजय कृष्ण श्रीवास्तव मदन सिंह उर्फ ज्वाला सिंह, भानु प्रताप सिंह,अजेंद्र कुमार श्रीवास्तव संस्थान परिवार द्वारा प्रशस्ति—पत्र एवं अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संतोष कुमार द्विवेदी, सचिव विजेंद्र कुमार श्रीवास्तव आयुष पांडे सौरभ चंद्र शुक्ला आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

प्रत्येक कार्यकर्ता की लगन से ही सभी कार्य संभव होता है —आशुतोषानंद त्रिपाठी

रोजगार मेले में 80 को मिली नौकरी

संवाददाता—महराजगंज। आरपीआईसी स्कूल में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञों द्वारा युवाओं को रोजगार से संबंधित जानकारी देते हुए नौकरी के लिए 80 अभ्यर्थियों का चयन किया गया।

मेले का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक डॉ. पंकज तिवारी ने किया। मेले में असाही इंडिया लिमिटेड, टाटा इंडिया एक्टिव प्राइवेट लिमिटेड, मदरसोंन, याजकी इंडिया लिमिटेड, हिन्दुस्तान ऑटो स्पेयर पार्ट्स, आरबीएल बैंक, ऑल इन वन कंसल्टेंसी सहित विभिन्न कंपनियों के अधिकारियों ने पहुंचे हुए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया। इसमें नौकरी हेतु विकास चौधरी, दीपू कुशवाहा, निरंजन भारती, अनूप यादव, आजाद अंसारी, नवमी प्रजापति, संजय, आकाश सहित 80 अभ्यर्थी चयनित हुए। जबकि कुछ अभ्यर्थियों को अतिरिक्त राउंड इंटरव्यू के लिए अपने—अपने कंपनियों में बुलाया गया। अभ्यर्थियों की चयन प्रक्रिया में निर्णायक की भूमिका जिला समन्वयक अधिकारी अरविंद पाठक, हर्ष शुक्ला, पूजा शर्मा, गोविंद पांडेय, शैलेष शर्मा व सूर्या पांडेय ने निभाई। इस मौके पर धीरज तिवारी, देवेंद्र शुक्ला, विजयशंकर मिश्र, प्रतीक श्रीवास्तव, विजयालक्ष्मी जायसवाल आदि मौजूद रहे।

सहायक उपकरणों से दिव्यांगों के हौंसले को लगे पंख —बीएसए

संवाददाता—बहराइच। ब्लॉक संसाधन केंद्र चित्तौरा में सोमवार को समग्र शिक्षा अभियान के तहत उच्च प्राथमिक विद्यालय डीहा पर दिव्यांग बच्चों का एक दिवसीय एलिम्को उपकरण वितरण कैंप का आयोजन किया गया। बीएसए ने दिव्यांगों को विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किया। कहा कि इन उपकरणों की मदद से दिव्यांगों के हौसले को पंख लगेंगे। डीहा में आयोजित कार्यक्रम में बीएसए ने 25 ट्राई साइकिल 17 व्हील चेयर, सात सीपी चेयर अति गंभीर मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए बैसाखी 10, 06 ब्रेल किट, तीन सुगमय केन हेयरिंग ऐड 33, बच्चों को कैलीपर्स 08 बच्चों को दिया गया है। कार्यक्रम का संचालन राकेश कुमार मिश्रा जिला समन्वयक समेकित शिक्षा द्वारा किया गया। डीएचईआईओ बृजेश सिंह, दिव्यांग कल्याण अधिकारी वीपी सत्यार्थी, बीईओ अनुराग मिश्रा,जयवीर सिंह, महेंद्र सिंह, गिरजेश पांडेय, वेद प्रकाश यादव, रंजना देवी, आरती सिंह, स्नेह लता पांडेय, चंद्रभानु दिनेश कुमार, राजेश पटेल, साकेत मणि पांडेय, पंकज श्रीवास्तव मौजूद रहे।

पीठ श्रीजानकी वर भवन के पूर्वाचार्यों अर्पित की गई श्रद्धांजलि

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। रामनगरी की प्राचीनतम पीठ श्रीजानकी वर भवन परिक्रमा मार्ग, ऋणमोचन घाट के पूर्वाचार्यों महंत रामजीवन शरण एवं महंत रामजानकी शरण महाराज को संतों ने नमन किया। अवसर था आचार्यों के पुण्यतिथि महोत्सव का। जो आश्रम परिसर में निष्ठापूर्वक मनाई गई। पुण्यतिथि पर मंदिर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई, जिसमें संतों ने पूर्वाचार्यों की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें शिष्टत से याद किया। संतों ने उनके कृतित्व—व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। पुण्यतिथि महोत्सव को पीठ के वर्तमान पीठाधिपति और श्रीजानकीवर भवन सेवा ट्रस्ट के संरक्षक महंत जानकी जीवन शरण महाराज ने अपना संयोजन प्रदान किया। इस अवसर पर श्रीजानकीवर भवन सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत गौरीशंकर शरण ने बताया कि मठ के पूर्वाचार्यों क्रमशः महंत रामजीवन शरण व रामजानकी शरण महाराज की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। पुण्यतिथि महोत्सव पर अयोध्यानगरी के संत—महंत, धर्माचार्य शामिल हुए। जिन्होंने पूर्वाचार्यों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही प्राचीन आश्रम है। जहां बहुत बड़े—बड़े भजनानंदी, सिद्ध, तपस्वी संत हुए हैं। जिन्होंने जरूरत पड़ने पर अपनी विद्वता का लोहा मनवाया है। वह गौ व संत सेवी रहे।उन्होंने ठाकुर जी की सेवा संग आश्रम का सर्वांगीण विकास किया। जीवन भर मठ की उत्तरोत्तर समृद्धि लगे रहे। पूर्वाचार्यों की देन है कि आज मंदिर की गणना अयोध्याधाम के प्रमुखतम पीठों में होती है। जहां सभी उत्सव, समैया, त्यौहार परंपरागत रूप से मनाया जा रहा है। जिसमें मंदिर से जुड़े भक्तजन सम्मिलित होकर अपना जीवन धन्य बनाते हैं। अंत में ट्रस्ट के अध्यक्ष ने संतों का स्वागत—सत्कार कर भेंट, विदाई दिया। काफी संख्या में संतों और भक्तजनों ने प्रसाद ग्रहण किया। पुण्यतिथि पर मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, श्रीजानकीवर भवन धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के सचिव रोशन झा, हनुमानगढ़ी के सरपंच महंत रामकुमार दास, हनुमत ध्यान भवन के महंत पवनकुमार दास, महाविरक्त आश्रम के महंत माधवदास, हनुमान टेकरी के महंत प्रियाशरण, चतुर्भुजी मंदिर के महंत शैलेष दास, आचार्य लक्ष्मण शास्त्री, स्वामी विष्णु दास, संत सुमित शरण, मोहन दास, संतदास, एडवोकेट राजेंद्र चौबे आदि मौजूद रहे।

राम नरेश बने पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष

संवाददाता—श्रावस्ती। उत्तर प्रदेशीय पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के त्रैवार्षिक अधिवेशन का आयोजन सोमवार को जूनियर हाईस्कूल मिनगा में हुआ। अधिवेशन में विभिन्न पदों पर चुनाव सम्पन्न कराया गया। जिसमें राम नरेश यादव संघ के अध्यक्ष चुने गए। पर्यवेक्षक के रूप में गोण्डा के अध्यक्ष संतोष कुमार पाण्डेय व चुनाव अधिकारी अशोक कुमार पाण्डेय अध्यक्ष गोण्डा रहे। मुख्य अतिथि के रूप में प्रान्तीय कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार सिंह व विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रान्तीय लेखाकार राजेश कुमार शुक्ला, मण्डलीय महामन्त्री अरुण कुमार यादव अधिवेशन में शामिल हुए। चुनाव में अध्यक्ष को छोड़ अन्य पदों पर पदाधिकारियों का चयन निर्विरोध हुआ। अध्यक्ष पद के लिए राम नरेश यादव व आनन्द प्रकाश पाण्डेय ने अपना नामांकन पत्र भरकर अपनी दावेदारी पेश की। डेलीगेट के माध्यम से हुए चुनाव में कुल 41 मत पड़े। जिसमें राम नरेश यादव को 23 मत व आनन्द प्रकाश पाण्डेय को 18 मत मिले। इस तरह राम नरेश यादव ने पांच मतों से जीत दर्ज कर अध्यक्ष पद के लिए चुने गए। विभिन्न पदों पर हुए निर्विरोध निर्वाचन में सन्तोष कुमार सोनी वरिष्ठ उपाध्याक्ष, मुनव्वर मिर्जा महामन्त्री, अशोक कुमार पाठक कोषाध्यक्ष, शब्बीर खां, कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, राम छबीले पासवान, अजीमुद्दीम उपध्यक्ष चुने गए। जबकि महिला उपाध्यक्ष के रूप में एकता सिंह का चयन हुआ। पर्यवेक्षक संतोष कुमार पाण्डेय की ओर से नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष व संरक्षक ओम प्रकाश वर्मा, यज्ञ राम पाल, पूर्व जिलाध्यक्ष गुरु नरायन पाठक आदि मौजूद रहे।

मामलों के निस्तारण में हो रही लापरवाही से वकीलों में आक्रोश

संवाददाता—गोण्डा। सदर तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं मामलों के निस्तारण में हो रही लापरवाही से वकीलों में आक्रोश व्याप्त है। कलेक्ट्रेट बार संघ के अध्यक्ष राम गोपाल पाण्डेय व महामंत्री अशोक कुमार मिश्र एवं जिला युवाबार संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार शुक्ला से अधिवक्ता लगातार शिकायतें करते चले आ रहे हैं। कलेक्ट्रेट बार संघ महामंत्री अशोक कुमार मिश्र ने बताया कि मामलों के निस्तारण में हो रही लापरवाही व अन्य समस्याओं को लेकर पदाधिकारीगण मंगलवार को जिलाधिकारी से मिलेंगे। उन्होंने बताया कि निर्विवाद मामलों के निस्तारण में भी राजस्व अधिकारी महीनों आदेश पारित नहीं करते हैं। जिससे वादकारियों सहित वकीलों को अनावश्यक राजस्व कर्मचारियों एवं अधिकारियों का चक्कर काटना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हरिजन परमिशन, वरासत एवं संक्रमणीय भूमिधर आदि मामलों में महीनों तक दौड़ लगाने के बाद भी आदेश पारित नहीं किया जाता है। वकीलों की समस्याओं के समाधान के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रट एवं युवाबार संघ के अधिवक्ता जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगे।

संभल में हिंसा मामले को लेकर कांग्रेसियों ने सौपा ज्ञापन

संवाददाता—गोण्डा। संभल में हिंसा मामले को लेकर कांग्रेसियों ने सोमवार को प्रदर्शन कर ज्ञापन सौपा। पदाधिकारियों ने सूबे की सरकार को आड़े हाथों लेते हुए गंभीर आरोप मढ़े। साथ ही मंहगाई, बेरोजगारी आदि मुद्दे पर निशाना साधा। पार्टी इस कार्यक्रम में अलग अलग गुटों में बंटी दिखी। जिला कमेटी की ओर से अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा व अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष सगीर खान की अगुवाई में कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंपा। वहीं शहर कमेटी ने गांधी पार्क में गांधी प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन करके ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायधीश को संबोधित ज्ञापन में पार्टी की ओर से 1991 में पारित धर्मस्थल विधेयक का जिक्र करके पूरे प्रदेश में रबी की बुआई के समय खाद, बीज मुद्दे उठाए है और अराजकता फैलने के आरोप लगाए हैं। ज्ञापन देने में प्रवक्ता शिवकुमार दूबे, प्रद्युम्न शुक्ला अरविंद शुक्ला, सभासद शाहिद अली कुरेशी, वाजिद अली, सादाब खान, फिरोज अहमद, मसीउल हक, मो जर्नल हयात, अवसार अहमद, अय्यूब खान, धर्मराज सिंह, अकील, राजू सेवादल रहे। वहीं शहर अध्यक्ष रफीक रैनी की अगुवाई में गांधी पार्क में विरोध प्रदर्शन करके संभल की हिंसा में मारे गए नौजवानों के परिवारों को एक—एक करोड रुपए मुआवजे की मांग की। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट विजय शर्मा को सौंपा। इस मौके पर जलील खान, मो.अहमद फारुकी, अजय रस्तोगी सैयद मुजीब, अंकित रस्तोगी, खालिक कुरैशी, पप्पू, रिजवान, तैयब, निजाम, पप्पू गुप्ता, नवी बक्स, कमलजीत, इंजीनियर परमजीत, माशूक अली, आशिक अली आदि मौजूद रहे।

मुख्यमत्री योगी आदित्यनाथ जनता दर्शन में बोले– हर समस्या का कराएंगे समाधान

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा कि किसी को भी परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। हर पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर सुनिश्चित कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान कराया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं।

सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 300 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे। एक–एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर सीएम योगी ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। सोमवार प्रातःकाल शिवावतारगुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने, अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेकने के बाद सीएम योगी मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे। यहां उन्होंने गोवंश के बीच समय बिताया और गोसेवा की। गोसेवा के दौरान उन्होंने सितंबर माह में आंध्र प्रदेश के येलेश्वरम स्थित गोशाला से गोरखनाथ मंदिर लाए गए नादिपथि मिनिएचर नस्ल (पुंगनूर नस्ल की नवोन्नत ब्रीड) के दो गोवंश भवानी और भोलू को खूब दुलारा तथा अपने हाथों से उन्हें चारा (बरसीम) खिलाया। मुख्यमंत्री ने अन्य गोवंश को भी खूब दुलारने के बाद उन्हें गुड़ खिलाया और गोशाला के भी कार्यकर्ताओं को देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए। मंदिर परिसर का भ्रमण करने के दौरान सीएम योगी जब भीम सरोवर पर पहुंचे तो वहां बतखों का समूह विचरण कर रहा था। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से चारा खिलाकर बतखों पर भी स्नेह बरसाया।

अलग–अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में अलग–अलग इलाकों में हुई सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल भेजा गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। रविवार की रात लगभग 11 बजे बाराबंकी के राम सनेहीघाट क्षेत्र के मूसेपुर स्थित एक ईंट भट्ठे से ईंट लादकर ट्रैक्टर–ट्रॉली अयोध्या की तरफ जा रहा था। रौजागांव के पास ट्रैक्टर पर बैठे रामसनेहीघाट के जेठबनी गांव निवासी दुर्गेश कुमार (19) उछलकर सड़क पर गिर गए। जब तक चालक ट्रैक्टर रोकता, ट्रॉली युवक पर चढ़ गई। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई प्रभारी निरीक्षक संजय मौर्य ने बताया कि ट्रैक्टर–ट्रॉली को कब्जे में ले लिया गया है।

उधर, बस्ती जिले के परसरामपुर थाना क्षेत्र के रानीपुर बस्तनवा निवासी बाइक सवार अवधेश कुमार और जगन्नाथ चौहान (35) बस्ती से लखनऊ की तरफ जा रहे थे। इस बीच हाईवे पर किसी वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सीएचसी रुदौली में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। रास्ते में जगन्नाथ चौहान की मौत हो गई। जबकि दूसरे युवक का सीएचसी में इलाज चल रहा है। बाइक सवार हेलमेट पहने था। कोतवाल संजय मौर्य ने बताया कि तहरीर मिलने पर केस दर्ज किया जाएगा।

वहीं, बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के खजुरहट के पास प्रयागराज हाईवे पर सोमवार सुबह करीब 7रू30 बजे प्रयागराज से गोरखपुर जा रही कार पटरी पर गलत ढंग से खड़े ट्रक में टकरा गई। दुर्घटना में गोरखपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र के सरस्वतीपुरम निवासी कार चालक अभिषेक त्रिपाठी (45) की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पत्नी सोनी त्रिपाठी (42) और दो बेटियां सान्हवी (7), श्रीमिका (तीन माह) और राजीव पांडेय की पुत्री निशि पांडेय (15) घायल हो गए।

मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू करके मृतक और सभी घायलों को कार से बाहर निकालकर सीएचसी बीकापुर पहुंचाया गया। वहां इमरजेंसी में मौजूद डॉ. अनुराग गुप्ता ने अभिषेक को मृत घोषित कर दिया और सोनी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने दुर्घटना करने वाले ट्रक को कब्जे में लिया है। कोतवाल लालचंद सरोज ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल बस्ती में 15 वें वार्षिक खेल महोत्सव के समापन अवसर पर अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। विद्यालय के प्रबंध निदेशक राजीव कुमार और संयुक्त निर्देशिका सोनी कुमारी ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर और मेडल पहनकर सम्मानित किया।इस अवसर पर तालियों की गड़गड़ाहट से जेवियर्स का मैदान गूंज उठा ,चारों तरफ हर्ष और उल्लास का वातावरण रहा।

सर्वप्रथम बालक वरिष्ठ वर्ग 400 मीटर रेस में एलो हाउस अशोक सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ,जिसमें अभिनव यशपाल, राज पटेल और कृष्णा ने प्रतिभाग किया । दूसरे स्थान पर ब्लू हाउस (रमन सदन)रहा जिसमें अंश ,अफजल, शरद और शुभम ने प्रतिभा किया। रेड हाउस (शिवाजी सदन) तीसरे स्थान पर रहा ,जिसमें मुकुल , अलक्षेन, नितिन और उदय ने भाग लिया । इसी क्रम में बालिका वरिष्ठ वर्ग 400 मीटर रेस में रेड हाउस (शिवाजी सदन) विजयी रहा ,जिसमें हेमलता ,पल्लवी ,आयुषी और प्रिया लता ने भाग लिया। ग्रीन हाउस (टैगोर सदन)की बालिकाएं दूसरे स्थान पर रही ,इसमें सौम्या, आयुषी ,स्तुति और रिया ने प्रतिभाग किया । ब्लू हाउस (रमन सदन) तीसरे स्थान पर रहा जिसमें गरिमा, अपूर्वा और हर्षिता ने प्रतिभाग किया ।

400 मीटर रेस बालिका कनिष्ठ वर्ग में ब्लू हाउस की बालिकाओं ने विजय का परचम लहराया जिसमें वर्षा, अपूर्वा ,गरिमा और प्राची ने भाग लिया । दूसरे स्थान पर ग्रीन हाउस रहा जिसमें शगुन, सलोनी, इकरा और सेजल ने प्रतिभाग किया । एलो हाउस तीसरे स्थान पर रहा जिसमें स्मृति,श्रेष्ठा ,

बालिकाओं की टेबल टेनिस प्रतियोगिता में ग्रीन हाउस की स्तुति ने प्रथम ब्लू हाउस की प्रिया गांधी ने द्वितीय और मानसी ,रेड हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

ऊंची कूद बालक वरिष्ठ वर्ग में ग्रीन हाउस के तन्मय प्रकाश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, द्वितीय स्थान पर ब्लू हाउस के शुभम रहे तथा एलो हाउस के राज पटेल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया ।

बालकों की टेबल टेनिस प्रतियोगिता में ग्रीन हाउस के तारिक परवेज ने जीत हासिल की दूसरे स्थान पर ब्लू हाउस के प्रिंस कुमार रहे ।

बालक वरिष्ठ वर्ग 400 मीटर की एकल रेस में एलो हाउस के आदित्य प्रताप सिंह ने जीता सोना दूसरे स्थान पर ग्रीन हाउस के अभ्युदय ने रजत और ब्लू हाउस के अफजल ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

अंत में संपूर्ण प्रतियोगिताओं में ब्लू हाउस (रमन सदन) विजयी घोषित किया गया। हाउस वार्डन गरिमा सिंह तथा हाउस कैप्टन अंश पांडेय और उनकी टीम ने प्रथम विजेता की ट्रॉफी प्राप्त की । दूसरे स्थान पर ग्रीन हाउस (टैगोर सदन) रहा और रेड हाउस (शिवाजी सदन) ने तीसरा स्थान प्राप्त किया । डायरेक्टर और ज्वाइंट डायरेक्टर सोनी ने सभी को धन्यवाद दिया और विजेता टीम को बधाई दी । 15 वें वार्षिक खेल समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ ।

खेल प्रतियोगिता के समापन अवसर पर प्रधानाचार्या ईवलिन एफ लाल, मुख्य कोऑर्डिनेटर शालिनी श्रीवास्तव, अभिलाष चौहान, स्वाती गौड़ एवं समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

साथी से मारपीट के आरोपी की गिरफ्तारी को अधिवक्ताओं का एसएसपी दफ्तर पर प्रदर्शन

संवाददाता–गोरखपुर। दीवानी कचहरी में अधिवक्ता रविंद्र दुबे से मारपीट के मामले में दर्ज केस में आरोपित की गिरफ्तारी, बड़हलगंज में अधिवक्ता का केस दर्ज करने सहित तीन सूत्री मांगों को लेकर भारी संख्या में अधिवक्ताओं ने सोमवार को प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया। एसएसपी से मुलाकात कर मांग दोहराई। एसएसपी ने एक आरोपित के गिरफ्तारी होने की जानकारी देते हुए दूसरे की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। अध्यक्ष भानु प्रकाश पांडेय की अगुवाई में आए अधिवक्ताओं ने कैंट थानेदार संजय सिंह को हटाए जाने की मांग भी उठाई। एसएसपी ने उन्हें जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने जमकर नारेबाजी भी की। ज्ञापन देने के बाद अधिवक्तओं ने आंदोलन को खत्म करने का आश्वासन दिया है।

बारातियों से भरी कार ट्रेलर से टकराई, चार घायल

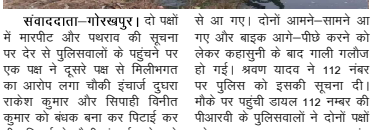

संवाददाता–सतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के खलीलाबाद कोतवाली थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित टेमा रहमत चौराहे पर ट्रेलर और कार आपस में भिड़ गई। दुर्घटना में कार में सवार चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों को पुलिस ने नजदीकी अस्पताल भेज दिया। बस्ती जनपद के लालगंज थाना क्षेत्र के बनकटी बाजार से रविवार की शाम बारात दुधारा थाना क्षेत्र के भुवनडांड गांव में गई थी। सोमवार की भोर में कार में सवार होकर चार लोग वापस घर जा रहे थे। टेमा रहमत चौराहे के पास पहुंचे थे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर
तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0–2031/2024
D202417140002031
न्यायालय–श्रीमान जिलाधिकारी महोदय जिला–बस्ती
रामलौट
बनाम
ग्रा0 पंचायत आदि

1. ग्रा0 पंचायत धौरहरा गोचन जरिये ग्रा0 प्रधान मौजा धौरहरा गोचन तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम त0 व जिला बस्ती 2. उ0प्र0 सरकार 3. राम औतार 4. रामजग 5. उदयभान पुत्रगण राममिलन 6. किरन देवी पत्नी रामआज्ञा 7. बच्चूलाल 8. रामआसरे पुत्रगण अशर्फी 9. राजेन्द्र पुत्र रामस्वारथ साकिनान मौजा धौरहरा गोचन तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम त0 व जिला बस्ती

तारीख पेशी 09–12–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। –द0 हाकिम

मुख्यमंत्री के हाथों छह और कल्याण मण्डपम का तोहफा दिलाने की तैयारी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नए साल से पहले सूर्यकुण्ड धाम नगर और खोराबार विद्युत सब स्टेशन के पास निर्माणाधीन कल्याण मण्डपम की सौगात गोरक्षनगरीवासियों को दे सकते हैं। उधर नगर निगम ने छह और स्थानों पर कल्याण मण्डपम निर्माण के लिए जमीन चिन्हित करने का काम शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सहमति मिलने के उपरांत प्रस्ताव बना कर शासन में भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जरूरतमंद परिवारों को वैवाहिक संस्कार, अन्य सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजनों के लिए कल्याण मण्डपम की परिकल्पना की थी। उनकी परिकल्पना को जमीन पर उतारते हुए नगर निगम ने 15वां वित्त आयोग से 01.91 करोड़ रुपये की लागत से वार्ड संख्या 58 सुरजकुंडधाम नगर के निरंकारी भवन के निकट कल्याण मण्डपम का निर्माण शुरू किया जो अंतिम दौर में है। उधर मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के तहत 04.70 करोड़ रुपये से खोराबार विद्युत सब स्टेशन के पास कल्याण मण्डपम का निर्माण शुरू किया। कार्यदायी संस्था कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज (सीएण्डडीएस) ने कल्याण मंडपम का निर्माण तकरीबन पूरा कर दिया है। उम्मीद है कि दिसंबर माह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों इन दोनों कल्याण मण्डपम का लोकार्पण हो जाए।

इसके अतिरिक्त नगर निगम अधिकारियों ने वार्ड संख्या 22 जंगल तुलसीराम पश्चिमी बिछिया में गाटा संख्या 89 में 0.142 हेक्टेयर 40 गुणा 28 वर्ग मीटर जमीन और वार्ड संख्या 05 बाबा गंभीरनाथ नगर मानबेला में गाटा संख्या 315 मि, 316 और 631 के रकबा 0.465 हेक्टेयर में 51 गुणा 32 वर्गमीटर में जमीन पर कल्याण मंडपम बनाने की योजना प्रस्तावित है। अब अपर नगर आयुक्त निरंकार सिंह ने नगर आयुक्त के निर्देश पर वार्ड संख्या 80 राप्तीनगर के मौजा बशारतपुर में आजारी नम्बर 470द1 में रकबा 0. 224 हेक्टेयर जमीन, वार्ड संख्या 09 नकहा के मौजा जंगल नकहा नम्बर 02 में अजारी नम्बर 356 में रकबा 0. 231 हेक्टेयर और वार्ड संख्या 13 संझाई के मौजा जंगल बहादुर अली में अजारी नम्बर 1162 में 0.194 हेक्टेयर क्षेत्रफल की जमीन कल्याण मण्डप निर्माण के लिए उपयुक्त पाया है। स्वयं नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने वार्ड संख्या 03 रानीडीहा में कल्याण मंडपम के लिए जमीन चिन्हित कर जमीन तक जाने के रास्तों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश भी दिए हैं।

यूं तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा मुताबिक नगर निगम सभी 80 वार्डो में कल्याण मण्डपम का निर्माण करेगा। फिलहाल 02 वार्डो में कल्याण मण्डपम के लोकार्पण की तैयारी के साथ नगर निगम 06 और कल्याण मण्डपम के लिए जमीन चिन्हित किया है। जल्द ही कल्याण मण्डपम के निर्माण के लिए शासन में स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। उसके बाद कल्याण मण्डपम के निर्माण का शिलान्यास होगा। कल्याण मण्डपम के लिए धनराशि 15वां वित्त, मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना या सीएम विधायक की निधि से भी जुटाया जा सकता है।

संभल हिंसा के विरोध में मौन धरने पर बैठे कांग्रेसी, सुप्रीम कोर्ट से दखल की अपील

संवाददाता–गोरखपुर। कांग्रेस जिला अध्यक्ष निर्मला पासवान ने संभल जिले में हुई हिंसा के विरोध में महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे मौन धरना दिया। मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। संभल जिले में हुई हिंसा के विरोध में कांग्रेस जिला अध्यक्ष निर्मला पासवान ने पार्टी पदाधिकारियों संग टाउन हाल महात्मा गांधी प्रतिमा के नीचे बैठ कर मौन प्रदर्शन किया, मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इससे पूर्व राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और फिर मौन धरने पर बैठे। संभल हिंसा में पांच लोगों की मौत हो गई व कई घायल हो गए हैं। कांग्रेस मौत का कारण पुलिस फायरिंग बता रही है।

कांग्रेस ने मामले में राज्य सरकार पर पक्षपात पूर्ण कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष निर्मला पासवान ने कहा कि संभल विवाद पर राज्य सरकार का पक्षपात और जल्दबाजी भरा रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हिंसा और फायरिंग में जिन्होंने अपनों को खोया है उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। प्रशासन द्वारा बिना सभी पक्षों को सुने और असंवेदनशीलता से की गई कार्रवाई ने माहौल और बिगाड़ दिया और कई लोगों की मृत्यु का कारण बना जिसकी सीधी जिम्मेदार भाजपा सरकार है। प्रदेश सचिव दिलीप निषाद ने कहा कि भाजपा का सत्ता का उपयोग हिंदू–मुसलमान समाजों के बीच दरार और भेदभाव पैदा करने के लिए करना न प्रदेश के हित में है, न देश के। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से अपील किया कि इस मामले में जल्द से जल्द हस्तक्षेप कर न्याय करे। उन्होंने शांति और आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील किया। कहा कि हम सबको एक साथ जुड़ कर यह सुनिश्चित करना है कि भारत सांप्रदायिकता और नफरत नहीं, एकता और संविधान के रास्ते पर आगे बढ़े। कार्यक्रम में महिला कांग्रेस महानगर अध्यक्ष शबिहा शब्दपोश, जिला उपाध्यक्ष महेंद्र नाथ मिश्रा, तैकीर आलम, जिला महासचिव अनुराग पाण्डेय, पंकज पासवान, जिला सचिव विजय राय, संगठित कामगार के प्रदेश सचिव राजकुमार यादव, पिछड़ा वर्ग के प्रदेश महासचिव देवेंद्र निषाद धनुष, दिनेश मौर्या समेत काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी नरेन्द्र कुमार पाण्डेय पुत्र श्री रणजीत पाण्डेय ग्राम– छपिया पाण्डेय थाना– मुण्डेरवा जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। प्रार्थी सपरिवार दिल्ली में रहता है। मेरा सबसे छोटा पुत्र अमृतराज पाण्डेय संयुक्त परिवार के साथ गांव में रहता है। उसका चाल चलन ठीक नहीं है और वह आये दिन विवाद के साथ ही नशा आदि करता है जिससे पूरा परिवार परेशान है। उसका सम्बन्ध कुछ असमाजिक तत्वों से हो गया है। उस पर परिवार का कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। अमृतराज पाण्डेय के किसी कार्य, व्यवहार, गतिविधि से मेरा और मेरे परिवार का कोई सम्बन्ध नहीं है। अपने द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिये अमृतराज पाण्डेय स्वयं जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
वाद संख्या 297/2024
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बांसी जिला सिद्धार्थनगर
राधिका आदि
बनाम
त्रिलोकी आदि

1. त्रिलोकी उम्र लगभग 60 वर्ष 2. परलोकी उम्र लगभग 58 वर्ष पुत्रगण रामसुमेर 3. श्रीमती गीता देवी उम्र 58 वर्ष पत्नी रामसुधाकर 4. श्रीमती उम्र लगभग 40 वर्ष पत्नी दीनानाथ साकिनान मनिकौरा नानकार तप्पा मसीना परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 29–11–2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **29–11–2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 760/2004
प्रकीर्ण वाद सं0 37/2022
रामबली (मृतक) आदि
बनाम
मेवालाल आदि

1. मेवालाल 2. रामजीत 3. सिधारे पुत्रगण जोखन 4/1 श्रीमती मेवाती मृतक पत्नी रामकिशुन 4/2 नन्दलाल पुत्र रामकिशुन साकिनान मौजा गौरा तप्पा महोबरा परगना महुली पूरव तहसील धनघटा जिला–संतकबीर नगर

तारीख पेशी 04–12–2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 04 माह 12 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 25 माह 11 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

ग्रामीणों ने चौकी प्रभारी और सिपाही को बंधक बनाकर पीटा, बेहोश हुए दरोगा

संवाददाता–गोरखपुर। दो पक्षों में मारपीट और पथराव की सूचना पर देर से पुलिसवालों के पहुंचने पर एक पक्ष ने दूसरे पक्ष से मिलीभगत का आरोप लगा चौकी इंचार्ज दुघरा राकेश कुमार और सिपाही विनीत कुमार को बंधक बना कर पिटाई कर दी। पिटाई से चौकी इंचार्ज अचेत हो गए सूचना पर पहुंची थाने की फोर्स ने किसी तरह से उन्हें मुक्त कराया। घायल पुलिस कर्मियों को पास के एक अस्पताल में ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां से डॉक्टर ने मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। सिकरीगंज थाना क्षेत्र के कनहौली गांव का है। श्रवण यादव रविवार को दिन में दुघरा चौराहे पर कंबाइन का बेयरिंग लेने अपने बुलेट मोटरसाइकिल से जा रहे थे। दूसरे तरफ से उनके पट्टीदार राजन बाइक से आ गए। दोनों आमने–सामने आ गए और बाइक आगे–पीछे करने को लेकर कहासुनी के बाद गाली गलौज हो गई। श्रवण यादव ने 112 नंबर पर पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची डायल 112 नम्बर की पीआरवी के पुलिसवालों ने दोनों पक्षों को समझा–बुझाकर मामला शांत कराया और चले गए। हालांकि उसके बाद भी बवाल शांत नहीं हुआ। आरोप है कि दोनों पक्ष के लोग इकट्ठा हो गए और देर शाम विवाद बढ़ गया। दोनों तरफ से पथराव शुरू हो गया। श्रवण यादव ने इसकी सूचना दोबारा पुलिस को दी। आरोप है कि इस बार पुलिसवालों ने पहुंचने में देर कर दी। मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज दुघारा और एक सिपाही को श्रवण पक्ष ने जानबुझ कर देर से आने का आरोप लगाकर मारपीट कर कमरे में बंद कर दिया।

नौसड़ पशु शवदाह गृह तक लगेगी सोलर लाइट, होगा पौधरोपण

संवाददाता–गोरखपुर। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने सोमवार को नौसड़ में बन रहे सूबे के सर्वाधिक क्षमता वाले हाइब्रिड पशु शवदाह गृह का निरीक्षण किया। एकला बांध से पशु शवदाह गृह तक बनाए जा रहे सीसी रोड की ढलाई के काम की गुणवत्ता का भी परीक्षण किया। साथ चल रहे मुख्य अभियंता संजय चौहान को सड़क के दोनों तरफ पौधरोपण कराने और सोलर लाइटें लगवाने के निर्देश भी दिए। कहा कि जल्द से जल्द पशु शवदाह गृह का काम पूरा किया जाए। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत इलेक्ट्रिक एवं गैस आधारित पशु शवदाह गृह के निर्माण पर 4.54 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च की जा रही है। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने पशु शवदाह गृह की चाहरदीवारी पर फाइबर लगाने, जल निकासी के लिए नाली निर्माण और पाइप डालने का भी निर्देश भी दिया। पशु शवदाह का दो बार ट्रायल कर परीक्षण भी किया जा चुका है।

निगम द्वारा चयनित कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि को आश्वस्त किया कि वे सात दिन में अंदर के बचे खुचे काम भी पूरा कर लेंगे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे क्लाइन्ट पिरामल कैपिटल एण्ड हाउसिंग फाइनेंस लि. बस्ती ब्रांच आफिस वार्ड नं. 4 द्वितीय तल नगर पालिका परिषद मालवीय रोड मौजा पिकौरा शिवगुलाम तप्पा हवेली पर0 बस्ती पूरब तह0 व जिला बस्ती उ.प्र. की तरफ से सूचित किया जाता है कि सिद्धराम चौधरी पुत्र जानकी प्रसाद निवासी शंकरपुर आदमपुर भानपुर बाबू बस्ती उ.प्र. ने गृह ऋण हेतु आवेदन किया है जिसमें बैनामा दिनांक 30.7.14, बही सं. 1 जिल्द सं. 6009 क्र. 5758 जो कि श्रीमती निरपता देवी पत्नी शोभालाल यादव नि. कटराखुर्द पो. गनेशपुर थाना वाल्टरगंज तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरन तह. व जिला बस्ती ने श्रीमती कालिन्दी पाल पत्नी विनोद पाल के पक्ष में स्थित गाटा सं. 226 मि. मडवानगर तप्पा हवेली पर. बस्ती पूरब तह0 व जिला बस्ती का किया है जो कि कहीं खो गया है, को बन्धक रखने हेतु आवेदन किया है। यदि किसी व्यक्ति बैंक अथवा संस्था को प्रश्नगत सम्पत्ति को बंधर्क रखने में कोई आपत्ति है तो इसे प्रकाशन के 7 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर दें अन्यथा यह मान लिया जायेगा कि बैंक अथवा संस्था को बंधक रखने में कोई आपत्ति नहीं है।

सचिन शंकर
एडवोकेट
सेड नं0–3 सिविल कोर्ट फैजाबाद
मो0–8299765176

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com